जुगनू

हरिवंश राय बच्चन हिंदी के ओजस्वी कवि हैं। उनकी कविताएं निराशा में आशा की प्रेरणा देती है। उनकी ऐसी ही प्रेरणास्पद कविता है- जुगनू इस कविता में कवि ने रात में जगमगाने वाले जुगनू के विषय में बताया है। जुगनू अंधेरे में टिमटिमाते रहते हैं और संसार को प्रकाशित करने का प्रयास करते हैं ।इस कविता में कवि कहते हैं अंधेरे में रोशनी की एक लौ ही काफी होती है

संदर्भ -प्रस्तुत काव्य पंक्तियाँ **जुगनू** कविता से ली गयी है। इसके लेखक डॉ.हरिवंश राय बच्चन जी है।

उठी ऐसी ---------- कौन बैठा है।

कवि कहते हैं वह कौन है जो इस अंधेरी रात में भी दीपक जला कर बैठा है वे रात की प्राकृतिक दशा के विषय में बताते हुए कहते हैं कि आकाश में बादलों की घनघोर घटा छाई हुई है जिसके कारण सारे चांद और तारे छुप गए हैं, तेज हवा चल रही है लगता है तूफान आ गया है जिसके कारण सारे दीपक बुझ गए हैं लेकिन इस अंधेरी रात में कोई है जो दीपक जला कर बैठा है।

गगन में गर्व -------- कौन बैठा है।

कविअंधेरी रात की भयावहता का वर्णन करते हुए कहते हैं कि, पूरा आकाश बादलों से भरा है। ऐसा लगता है कि घटाएं गर्व से उठकर चारों ओर से घिरकर कह रही हैं कि फिर उजाला नहीं होगा। मगर ऐसी स्थिति में भी चिर ज्योति में अपना विश्वास जगाकर कोई बैठा हुआ है। कोई है जो इस अंधेरी रात में दीपक जला कर बैठा है।

तिमिर के राज ---------कौन बैठा है।

कवि कहते हैं चारों और घनघोर अंधेरे का राज्य बन गया है जिसके कारण भय उत्पन्न हो गया है। जो लोग सर उठा सकते थे, उन्होंने सिर झुका दिया है अर्थात जो अंधेरें से लड़ सकते थे वहीं घरों में छिप कर बैठ गए हैं । लेकिन ऐसे विकट परिस्थिति में भी कोई है जो विद्रोह की ज्वाला जलाकर बैठा हुआ है। कवि कहते हैं वह कौन है जो अंधेरी रात में दीपक जला कर बैठा है।

प्रलय का सब --------कौन बैठा है।

कवि कहते है की सभी ओर से प्रलय के आने का समा बंध गया है और चारों और प्रलय की रात्रि का अंधकार छा गया है ।प्रकृति की विनाशक शक्तियां अंधकार में एकाकार हो

गई है ,लेकिन इन सभी के बीच नवनिर्माण की आशा लगाकर कोई बैठा है ।कवि कहते हैं वह कौन है जो अंधेरी रात में दीपक जला कर बैठा है।

प्रभंजन मेघ ---------- कौन बैठा है।

इन पंक्तियों में कवि ने तेज हवा के साथ गिरने वाली बिजली के विषय में बताया है ।कवि कहते हैं कि बिजली ने चारों और तोड़फोड़ मचा दी है ,इसके प्रभाव से धरती और आकाश के बीच कुछ भी साबित (पूर्ण) नहीं बचा है ।मगर ऐसी स्थिति में भी कोई है जो अपने विश्वास को बचाए हुए हैं वह कौन हैं जो इस अंधेरी रात में दीपक जला कर बैठा हुआ है।

प्रलय की रात---------- कौन बैठा है।

कवि कहते है कि यह प्रलय की रात है इसमें प्रणय की बात कैसे सोची जा सकती है लेकिन यदि कोई प्रेम के बंधन में पड़ ही जाए तो वह अपनी समझ खो देता है। कवि कहते है कि कोई है जो अपने प्रिय के आने की राह में पलके बिछाये बैठा है ।वह कौन है जो अंधेरी रात में दीपक जला कर बैठा है।

विशेष -

1 साहित्यिक खड़ी बोली

2 जुगनू को आशावादी व्यक्तित्व के रूप में चित्रित किया गया है

3 अनुप्रास अलंकार

4 सुन्दर प्रतीक विधान